ओआईएच

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 54

दिनांक 03 फरवरी, 2026

कृषि महाविद्यालय की स्थापना

***54. श्रीमती अनिता नागरसिंह चौहान:**

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले, जो रतलाम-झाबुआ-अलीराजपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत एक जनजातीय बहुल क्षेत्र है और वर्षा-सिंचित कृषि पर बहुत अधिक निर्भर है, में वर्तमान में कोई कृषि महाविद्यालय कार्यशील नहीं है जिसके कारण स्थानीय छात्रों, विशेषकर जनजातीय युवाओं को कृषि शिक्षा प्राप्त करने हेतु अन्य जिलों में प्रवास करने हेतु बाध्य होना पड़ता है;

(ख) क्या सरकार द्वारा अलीराजपुर जिले में कृषि क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास की आवश्यकता का पता लगाने के लिए कोई सर्वेक्षण कराया गया है/प्रस्ताव तैयार किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का विचार कृषि शिक्षा को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में स्थानीय किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के लिए उक्त जिले में कृषि महाविद्यालय की स्थापना करने का है; और

(घ) यदि हां, तो इसकी प्रस्तावित समय-सीमा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
(श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (घ): विवरण सभा के पटल पर प्रस्तुत है।

****

'कृषि महाविद्यालय की स्थापना' के संबंध में दिनांक 03.02.2026 को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा के तारांकित प्रश्न संख्या 54 के भाग (क) से (घ) के संबंध में विवरण

(क) से (घ) : अलीराजपुर, मध्य प्रदेश का एक आदिवासी बहुल आबादी वाला जिला है। वर्तमान में यहां कोई कृषि महाविद्यालय नहीं है। तथापि, तीन कृषि विश्वविद्यालय नामत: (i) जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर (11 संघटक महाविद्यालय); (ii) राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर (5 संघटक महाविद्यालय); (iii) नानाजी देशमुख पशु-चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर (6 संघटक महाविद्यालय) द्वारा कृषि शिक्षा प्रदान करते हुए अलीराजपुर लोक सभा क्षेत्र सहित मध्य प्रदेश राज्य की अनुसंधान एवं विस्तार जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। इसके अलावा, झांसी स्थित रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (RLBCAU) का एक महाविद्यालय : पशु-चिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय मध्य प्रदेश के दतिया जिले में है।

इसके अलावा, देश में कुल 77 कृषि विश्वविद्यालय (कृषि, पशु-चिकित्सा, बागवानी, वानिकी, मात्स्यिकी, जैविक आदि) कृषि शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। इनमें कुल 66 राज्य कृषि विश्वविद्यालय (SAUs), 03 केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय (CAUs), मानद विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त 04 भाकृअनुप-संस्थान (DUs) और कृषि संकाय की सुविधा वाले 04 केन्द्रीय विश्वविद्यालय शामिल हैं। इन विश्वविद्यालयों में मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले के छात्र भी शामिल हैं। इन कृषि विश्वविद्यालयों में कुल सीटों में से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कोटा के तहत अंडर ग्रेजुएट में 20% तथा पोस्ट ग्रेजुएट (स्नातकोत्तर) और पीएच.डी. में 30% सीट हैं। अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए आरक्षण भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार है।

कृषि सहित कृषि शिक्षा राज्य का विषय है। अत: मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में कृषि क्षेत्र की शिक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास की जरूरतों से संबंधित पहलुओं पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया है।

वर्तमान में, मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में कृषि महाविद्यालय की स्थापना का कोई प्रस्ताव भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पास नहीं है। क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार नए कृषि महाविद्यालय की स्थापना कर सकती है।

****